# वेद-वार्ता
# Veda-vārtā

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन का त्रैमासिक वार्तापत्र

Quarterly News Letter of Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan, Ujjain

स्थापना वर्ष - १९८७ | विक्रम संवत् २०८२ | अक्टूबर २०२५ से दिसम्बर २०२५ तक | कुल पृष्ठ संख्या - २६ | अङ्क : ५२


## समाचार संकेतिका


* साचिव्यम् 01
* शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा का दण्डक्रम पारायण, वाराणसी 03
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण 03-04
* प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप 04-05
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता 05-06
* वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना 06-07
* श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी, ओड़िशा का स्थापना दिवस समारोह 07
* वेद ज्ञान सप्ताह समारोह 07
* वेद सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रम (एनएसक्यूएफ स्तर 3.0) की परीक्षा 08
* सौमिक सुवृष्टि सोमयाग की समीक्षा एवं वैज्ञानिक पहल प्रस्तुति 08
* प्रतिष्ठान के अन्तर्गत पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों में दीपावली महोत्सव का आयोजन 08-09
* क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन 10-11
* प्रतिष्ठान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारम्भ 12
* अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियाँ 12-13
* राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का उत्सव 13
* दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली में वैदिक चर्चा सत्र का आयोजन 14
* शैक्षणिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के आयोजन 14
* पाणिनि कन्या महाविद्यालय, वाराणसी में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन 14
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका में भवन निर्माण हेतु (भारत सरकार की स्वीकृति से) समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर 15
* 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव 15
* श्री हनुमत संस्कृत वेद विद्यापीठ, लुधियाना, पंजाब में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन 16
* आचार्य वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेद विद्यापीठ, गुना, मध्यप्रदेश में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन 16-17
* जनजातीय गौरव दिवस - 2025 17-18
* ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओड़िशा में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन 18
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का शैक्षणिक भ्रमण 19
* श्रीराम मन्दिर, अयोध्या में ध्वजारोहण कार्यक्रम हेतु चतुर्वेद पारायण 19
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का शैक्षणिक भ्रमण 19-20
* श्री श्री जगद्गुरु शङ्कराचार्य महासंस्थान-दक्षिणाम्नाय श्रीशृङ्गेरी : जगद्गुरु श्रीविधुशेखर भारती-महास्वामी जी धर्म विजय यात्रा के उपलक्ष्य में दिल्ली में प्रतिष्ठान द्वारा वेद सम्मेलन का आयोजन 20
* संविधान दिवस - 2025 20-21
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी का शैक्षणिक भ्रमण 21
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम में भवन निर्माण हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर 21
* गीता जयन्ती महोत्सव - 2025 22
* राष्ट्रीय वेद वाङ्मय शोध कार्यशाला, पुणे 22
* भारतीय भाषा उत्सव - 2025 23
* कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा, बिहार में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन 23-24
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का शैक्षणिक भ्रमण 24
* चतुर्वेद पारायण तथा संहिता स्वाहाकार 24
* कला कुम्भ : कला एवं संस्कृति का सङ्गम 25-26


## साचिव्यम्

प्रिय पाठको ! महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान अपने भारत की सस्वर वेद परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए प्रतिष्ठान की शाश्वत सफलताओं को आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा है। सभी के लिए यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि प्रतिष्ठान, उज्जैन से अनुदानित इकाई 'वेदमूर्ति श्री महेशचन्द्र कान्त रेखे, अहमदनगर, महाराष्ट्र' से शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वेदविभूषण (कक्षा-12वीं) उत्तीर्ण प्रतिभाशाली छात्र श्री देवव्रत महेश रेखे ने काशी में शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा का कण्ठस्थ दण्डक्रम पारायण कर कीर्तिमान स्थापित किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के शुभावसर पर माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ट्वीट कर उनका अभिनन्दन किया। माननीय शिक्षा मन्त्री तथा प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमन्त्री श्री योगी आदित्यनाथ जी सहित अनेक गणमान्य विभूतियों ने भी श्री देवव्रत महेश रेखे को शुभाशीर्वाद दिया। मेरा अटल विश्वास है कि यह गौरवपूर्ण उपलब्धि सस्वर वेद की श्रुति परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन से सम्बद्ध छात्रों तथा वेदाध्यापकों को सतत् साधना एवं उत्कर्ष पथ पर अग्रसर होने के लिए विशेष रूप से अभिप्रेरित करेगी।

ज्ञान को हमारी भारतीय परम्परा ने सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया है। उसे परम पवित्र माना गया है। ज्ञान का अर्थ किसी बात की केवल बाहरी जानकारी नहीं है। निरन्तर चिन्तन के माध्यम से तत्त्व की गहराई में उतरकर प्रत्यक्ष अनुभूति को ज्ञान कहा गया है जिसे त्याग, संयम और तप के द्वारा प्राप्त किया जाता है। जिस प्रकार सभी वैदिक नित्य स्व-स्व इकाइयों, पाठशालाओं में रहकर वटुकों को वेद अध्ययन कराते हैं तथा वटुकों के साथ वेद पाठ करने में जो लगे रहते हैं, वह त्याग, संयम और तप ही है। इसी तप के द्वारा तत्त्व की गहराई में जाया जा सकता है।

इस वेदवार्ता त्रैमासिक वार्तापत्र में प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य, विभिन्न कार्यकलाप, वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना, प्रतिष्ठान की परियोजना समिति से स्वीकृत विविध कार्यक्रमों के अन्तर्गत क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी, प्रतिष्ठान के इतिहास में शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा का दण्डक्रम पारायण (वाराणसी), श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का स्थापना दिवस समारोह, सभी राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों में दीपावली महोत्सव, वेद से सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रम की परीक्षा, गोरखपुर (उ.प्र.), अलुवा (केरल), लुधियाना (पंजाब), गुना (म.प्र) में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, देहरादून (उत्तराखण्ड), कोरापुट (ओड़िशा) में अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित सतर्कता जागरूकता सप्ताह, वन्दे मातरम् राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव, संविधान दिवस, भारतीय भाषा उत्सव आदि कार्यक्रमों को समेकित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है। आशा है कि आप इस प्रस्तुत कलेवर को आद्योपान्त पढ़कर शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के इस स्वायत्तशासी वैदिक संस्था के द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे और वेद प्रचार-प्रसार में भरपूर सहयोग देंगे।

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल,
सचिव, म.सा.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अनुदानित गुरुशिष्य परम्परा इकाई वेदमूर्ति श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे जी, अहमदनगर, महाराष्ट्र से शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वेदविभूषण (कक्षा-12वीं) उत्तीर्ण विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्र वेदमूर्ति श्री देवव्रत महेश रेखे जी को भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी तथा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमन्त्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्मृति चिह्न देकर उनका सम्मान किया।


- **अध्यक्ष : श्री धर्मेन्द्र प्रधान**
  माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार एवं
  माननीय अध्यक्ष
  महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
- **उपाध्यक्ष : प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा**
  माननीय उपाध्यक्ष
  महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
- **प्रधान सम्पादक : प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्**
  सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **सम्पादक : डॉ. अनूप कुमार मिश्र**
  सहायक निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **सह-सम्पादक : श्री देवाशीष तिवारी**
  कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
  **डॉ. शम्भुनाथ मण्डल**
  कनिष्ठ शोध अध्येता, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
- **तकनीकी सहयोग : श्री शैलेन्द्र डोडिया**
  डी.ई.ओ., महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

**प्रकाशक :**

**महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान**

(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006

दूरभाष : (0734) 2502254, 2502255

ई-मेल : msrvvpujn.edu@gov.in; msrvvpujn@gmail.com

वेबसाइट : www.msrvvp.ac.in

# शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा का दण्डक्रम पारायण, वाराणसी

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अनुदानित गुरुशिष्य परम्परा इकाई वेदमूर्ति श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे, अहमदनगर, महाराष्ट्र से शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वेद विभूषण उत्तीर्ण विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्र वेदमूर्ति श्री देवव्रत महेश रेखे जी ने काशी में 12 अक्टूबर से 29 नवम्बर 2025 के मध्य 50 दिन की अवधि में शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा का कण्ठस्थ दण्डक्रम पारायण किया।

प्रतिष्ठान के इतिहास में प्रथम बार यह दण्डक्रम पारायण वेद विभूषण उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण किया गया। इस दण्डक्रम पारायण को प्रतिष्ठान से अनुदानित गुरुशिष्य परम्परा इकाई के मूर्धन्य वेदाध्यापक श्री महेश चन्द्रकान्त रेखे जी के सान्निध्य में अनवरत अध्ययन करते हुए सतत् साधना के माध्यम से पूर्ण किया गया। इस दण्डक्रम वेद पारायण का श्री देवेन्द्र रामचन्द्र गढ़ीकर जैसे कई वैदिक विद्वानों ने श्रवण किया।

**भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी वेदमूर्ति श्री देवव्रत महेश रेखे की इस उपलब्धि पर ट्वीट किया -**

"19 वर्ष के देवव्रत महेश रेखे जी ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो जानकर मन प्रफुल्लित हो गया है। उनकी ये सफलता हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनने वाली है। भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले हर एक व्यक्ति को ये जानकर अच्छा लगेगा कि श्री देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के 2000 मंत्रों वाले 'दण्डक्रम पारायणम्' को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के पूर्ण किया है। इसमें अनेक वैदिक ऋचाएं और पवित्रतम शब्द उल्लेखित हैं, जिन्हें उन्होंने पूर्ण शुद्धता के साथ उच्चारित किया। ये उपलब्धि हमारी गुरु परंपरा का सबसे उत्तम रूप है। काशी से सांसद के रूप में, मुझे इस बात का गर्व है कि उनकी यह अद्भुत साधना इसी पवित्र धरती पर संपन्न हुई। उनके परिवार, संतों, मुनियों, विद्वानों और देशभर की उन सभी संस्थाओं को मेरा प्रणाम, जिन्होंने इस तपस्या में उन्हें सहयोग दिया।"

भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमन्त्री श्री योगी आदित्यनाथ जी पं. वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे जी को स्मृति चिह्न देकर उनका सम्मान किया।

# महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण

वेद अध्ययन की श्रुति / मौखिक परम्परा को संरक्षित, संवर्धित एवं विकसित करने के उद्देश्य से सोसाइटी पञ्जीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की XXI) के अनुसार दिल्ली सें 20 जनवरी 1987 को संस्थापना स्मरणपत्र और नियमों के पञ्जीयन सं S-17451/1987 के अन्तर्गत "राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" नामक स्वायत्त संस्थान का अखिल भारतीय सोसाइटी के रूप में गठन किया गया। प्रतिष्ठान की स्थापना को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने संकल्प (Resolution) संख्या एफ. 6-3/85- संस्कृत-IV द्वारा दिनाङ्क 30 मार्च 1987 को राजपत्र द्वारा प्रकाशित कर उद्घोषित किया। सस्वर वेदघोष के साथ श्रावण पूर्णिमा/रक्षाबन्धन/वेदारम्भ के पावन दिन में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का उद्घाटन 10.08.1987 को राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में हुआ।

महर्षि सान्दीपनि, जिन्होंने उज्जयिनी में अपने वेद-वेदाङ्ग-कला आदि विद्याओं का गुरुकुल की स्थापना कर भगवान् श्रीकृष्ण को समस्त वैदिक ज्ञान प्रदान किया था, उन के स्मरण में, मई 1993 में उज्जैन में स्थानान्तरित होने के उपरान्त महर्षि सान्दीपनि के स्मरण में "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के नाम से भारत सरकार, शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या F.6-21/92-संस्कृत-2 दिनाङ्क 24.12.1993 द्वारा राजपत्र खण्ड-1, अनुभाग-1 में राजपत्र द्वारा उज्जैन में उद्घोषित हुआ। महाकाल ज्योतिर्लिङ्ग से दक्षिण दिशा में, जवासिया गांव में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त 23.6 एकड़ भूखण्ड में प्रतिष्ठान का हरित परिसर है एवं विविध भवन निर्मित हैं।

प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र में उल्लिखित 12 उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(i) वेद अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण, संवर्धन एवं विकास, जिसके लिए प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा। जैसा कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना, दृश्य और श्रव्य टेप रिकार्डिंग आदि।

(ii) वेद विद्वानों एवं वेद पण्डितों के माध्यम से मौखिक सस्वर वेदपाठ की परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखना एवं उस पर बल देना।

(iii) वेद में उच्चतर शोध हेतु समर्पित विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना।

(iv) जिन विद्यार्थियों को वेद में निष्णता प्राप्त है, उन्हें शोध की सुविधाएं देना और उनमें समुचित वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना; जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, ऋतुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रव्यचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उस का समसामयिकता/तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी से स्थापित किया जा सके साथ ही वेद विद्यार्थियों तथा आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ वैचारिक सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

(v) देशभर में वेद पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिए उनका सञ्चालन करना या भरण-पोषण आदि करना।

(vi) जो भी वेद के धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं, या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना एवं वेद प्रसार हेतु उनका प्रबन्ध पुनः चलाना।

(vii) उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो चुकी हैं, जिनके निपुण जानकार पण्डितों को खोजकर उन पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।

(viii) यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर वेद पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं तथा उनकी वर्तमान स्थिति क्या है ?

(ix) वेद शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं की मूल-पाठ सामग्रियों, पाण्डुलिपियों के मुद्रण, ग्रन्थ, पुस्तकें, टीकाएँ, भाष्य एवं व्याख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

(x) देश में नाना वेद शाखाओं के दृश्य या श्रव्य रिकॉर्ड उपलब्ध हैं उनके बारे में जानकारी संग्रह करना।

(xi) अत्यन्त प्राचीन काल से अद्यतन काल तक वेद मूलपाठ एवं वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र सम्मिलित हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना तथा ग्रन्थालय, अनुसन्धान सुविधाएँ, मानव शक्त, तकनीकी स्टाफ आदि का प्रावधान करना।

(xii) प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र के अनुरूप, प्रतिष्ठान के सभी उद्देश्यों या उद्देश्य की सफल प्राप्ति हेतु आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक सभी कार्यकलाप प्रारम्भ करना ।

महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी प्रतिष्ठान के योजना निकाय महासभा एवं प्रशासनिक निकाय शासी परिषद के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जी नामित किए जाते हैं। माननीय उपाध्यक्ष जी वित्त समिति एवं परियोजना समिति के माननीय अध्यक्ष हैं।

## प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप

प्रतिष्ठान द्वारा देश भर में वेद के प्रचार-प्रसार के लिये- वेद पाठशालाओं, गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, शोध एवं प्रकाशन, सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, वेद पारायण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, वेद प्रशिक्षण, वेद ज्ञान सप्ताह, वैदिक कक्षाएँ, वेद टेप रिकार्डिंग, घर बैठे वेदों की शिक्षा, वयोवृद्ध एवं वेद पाठियों-नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता आदि योजनागत कार्य किए जाते हैं । प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक परम्परा के संरक्षण के लिए संचालित योजनाएँ :-

1. वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना (गुरु शिष्य योजना एवं पाठशाला योजना)
2. वेद शोध केन्द्र
3. वैदिक प्रशिक्षण केन्द्र
4. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय
5. वैदिक सामग्री संग्रहालय
6. वेद-विज्ञान प्रदर्शनी
7. शोध, प्रकाशन एवं पुस्तकालय
8. यज्ञशाला एवं ध्यान मंडप गतिविधियां
9. वेद ज्ञान सप्ताह समारोह
10. सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ
11. वैदिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ
12. वैदिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
13. सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार
14. वेदविद्या शोध पत्रिका एवं वेदवार्ता वार्तापत्र
15. पत्राचार पाठ्यक्रम : घर बैठे वेदों की शिक्षा
16. वयोवृद्ध वेदपाठियों, नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता
17. वैदिक वनौषधि परियोजना
18. वैदिक कौशल विकास परियोजना

## महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता

क. शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने दिनाङ्क 08.09.2022 के अपने पत्र सं. 3-14/2018-Skt.I के माध्यम से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) को एक नियमित विद्यालय बोर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। तदनुसार, मसारावेसंशिबोर्ड द्वारा प्रदत्त वेद भूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा 10वीं) और वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) प्रमाणपत्र हमारे देश में स्थित उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र / राज्य सरकारों के संस्थानों/निकायों में रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा प्रदत्त प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं।

(लिंक 1:https://msrvvp.ac.in/Board_letter_from_ME_MOE.pdf;

लिंक 2: https://www.education.gov.in/national-boards )

ख. भारतीय विश्वविद्यालय संगठन द्वारा मान्यता

भारतीय विश्वविद्यालय संगठन ने 3 अगस्त 2022 के अपने पत्र सं. AIU/EV/ IN(I)2022/ MSRVSSB के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की परीक्षाओं/ अर्हताओं/पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों / पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों के 10वीं और 12वीं बोर्ड/माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की परीक्षाओं/ अर्हताओं/पाठ्यक्रमों के समतुल्यता प्रदान की है।

(लिंक 1: https://msrvvp.ac.in/ AIU-Letter.pdf ;

लिंक 2: https://msrvvp.ac.in/Equivalence_Letter_from_AIU_250124_214435.pdf)

ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने दिनाङ्क 13-09-2022 के अपने परिपत्र सं. AICTE/P&AP/Misc/2022 के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की स्थापना को मान्यता प्रदान की है और मसारावेसंशिबोर्ड, उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं और 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा/ अर्हता/पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/ अर्हता के समतुल्यता प्रदान की है।

वेद भूषण अर्थात् पञ्चम वर्ष (10 वीं कक्षा) और वेद विभूषण अर्थात् सप्तम वर्ष (12वीं कक्षा) हेतु बोर्ड की अंक तालिका विद्यार्थियों को 2022-23 से जारी की जा रही है।

(लिंक: https://msrvvp.ac.in/Circular_paP_220924_115837.pdf)

घ. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 3 सितम्बर 2024 के अपने पत्र अ.शा. सं. 14-2/2023(CPP-II) (C-133004) के माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध किया था कि उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र/राज्य सरकारों के संस्थानों में रोजगार के प्रयोजन से अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (मसारावेविप्र)के अधीन महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड), उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं और 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों की समतुल्यता के संदर्भ में शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 8 अगस्त 2022 के कार्यालय ज्ञापन का ध्यान रखने और इसके अनुसरण में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

(लिंक : https://msrvvp.ac.in/ugc_recognition.pdf)

## वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना

वेदभूषण (कक्षा-6ठी से कक्षा-10वीं) तथा वेदविभूषण (कक्षा-11वीं एवं कक्षा -12वीं) की परीक्षा रूपरेखा और पाठ्यक्रम संरचना को अत्यन्त ध्यानपूर्वक इस प्रकार तैयार किया गया है कि वेद छात्रों की वैदिक एवं आधुनिक विषयों की अधिगम प्रगति, पारम्परिक दक्षता तथा सर्वाङ्गीण विकास का समुचित मूल्याङ्कन किया जा सके।

पाठ्यक्रम में पारम्परिक वैदिक शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक विषयों का समन्वय किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को सन्तुलित एवं समग्र शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। जहाँ आधुनिक विषयों की शैक्षणिक सामग्री सीबीएसई तथा राज्य शिक्षा बोर्डों के मानकों के अनुरूप पूर्णतः सामञ्जस्यपूर्ण है, वहीं वैदिक अध्ययन (वेद अध्यापन) अब भी प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परम्परागत गुरुकुल पद्धति के अनुरूप ही कराया जाता है जिसमें चयन की गई वेद शाखा का सस्वर वेद अध्ययन, संध्या, अग्निकार्य, वेद पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ तथा यज्ञ में सहभागिता सम्मिलित हैं, जिससे वैदिक परम्परा की प्रामाणिकता, अनुशासन तथा मौखिक सम्प्रेषण की पारम्परिक पद्धति अक्षुण्ण बनी रहती है। यह समन्वित दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध पारम्परिक ज्ञान-परम्पराओं को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर बल देती है।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यविवरण को NCERT द्वारा परीक्षित एवं पुनरीक्षित कर संबद्धता उपविधि तथा परीक्षा उपविधि को CBSE द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय शैक्षणिक विश्वसनीयता तथा स्थापित शैक्षिक मानकों के अनुपालन सुनिश्चित होते हैं। उपविधियों/पाठ्यक्रम को आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अद्यतन किया जाएगा।

वेदभूषण एवं वेदविभूषण परीक्षा प्रणाली के निम्नलिखित घटक हैं :-

1. सस्वर वेद मौखिक परीक्षा, जिसका उद्देश्य पारम्परिक वैदिक अध्ययन की मूल दक्षताओं का मूल्याङ्कन करना है, जिसमें निम्नलिखित प्रणाली सम्मिलित है:

(i) कण्ठस्थीकरण – वेद मन्त्रों की परिशुद्ध स्मरण क्षमता का परीक्षण;

(ii) सस्वर पाठ – सही अनुतान, उच्चारण एवं वैदिक मन्त्रोच्चार के निर्धारित पाठ-पद्धति के पालन का आकलन;

(iii) उच्चारण – वैदिक मानकों के अनुसार ध्वन्यात्मक शुद्धता सुनिश्चित करना।

2. सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा, जिसमें संस्कृत, अंग्रेज़ी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा वैदिक साहित्य का इतिहास जैसे विषय सम्मिलित हैं। ये परीक्षाएँ छात्रों की मुख्यधारा के शैक्षणिक विषयों में प्रवीणता का मूल्याङ्कन करती हैं, जिससे वे वैदिक अध्ययन के साथ-साथ समकालीन शैक्षिक मानकों को भी प्राप्त कर सकें।

3. अतिरिक्त विषयों की परीक्षा, जिसमें मातृभाषा, योग एवं ध्यान, कम्प्यूटर शिक्षा, सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य

(SUPW), व्यक्तित्व विकास तथा नैतिक शिक्षा सम्मिलित हैं। ये विषय वैदिक छात्रों के समग्र विकास में योगदान करते हैं क्योंकि ये उनकी सांस्कृतिक आधारशिला को सुदृढ़ करते हैं, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाते हैं, शारीरिक एवं मानसिक कल्याण को संवर्धित करते हैं, सामाजिक दायित्वबोध विकसित करते हैं तथा मूल्य-आधारित चरित्र निर्माण को सशक्त बनाते हैं।

4. वेद-सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों की परीक्षा:- इन परीक्षाओं में लिखित, प्रायोगिक, मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) तथा परियोजना कार्य घटक के रूप में सम्मिलित हैं। ये सभी घटक वैदिक छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास हेतु आवश्यक जीवन-कौशल, व्यावसायिक दक्षताओं, विश्लेषणात्मक चिन्तन तथा व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने के उद्देश्य से अभिकल्पित हैं।

## श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी, ओड़िशा का स्थापना दिवस समारोह

वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विगत 39 वर्षों से समर्पित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा पुरी में सञ्चालित श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का स्थापना दिवस समारोह दिनांक 04 अक्टूबर, 2025 को अत्यन्त हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

सर्वप्रथम श्रीक्षेत्र के अधिष्ठातृ देव महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी का आशीर्वाद ग्रहण करके सिंहद्वार से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर तक "वेद सन्देश यात्रा" निकाली गई। उक्त कार्यक्रम में प्रतिष्ठान द्वारा पुरी में सञ्चालित 05 वेद पाठशालाओं एवं 13 गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों के लगभग 300 से अधिक छात्र एवं वेद अध्यापक उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रतिष्ठान मुख्यालय उज्जैन, मध्यप्रदेश से पधारे सहायक निदेशक श्री लवी त्यागी जी के प्रतिनिधित्व में श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श विद्यालय के अध्यापकों द्वारा विश्व कल्याणार्थ पूजा अर्चना एवं चारों वेदों के सस्वर वेद मन्त्रों से "चतुर्वेद स्वाहाकार" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. दिवाकर महापात्र एवं विश्व हिंदू परिषद उत्कल प्रदेश के प्रान्त प्रचारक महेश साहू जी तथा श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाई के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे। इस प्रकार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

वर्ष 2025-26 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 3 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह की स्वीकृति प्रतिष्ठान की परियोजना समिति द्वारा प्रदान की गयी। जिसमें से एक वेद ज्ञान सप्ताह कार्यक्रम पूर्व में सम्पन्न हो चुका है। शेष सम्पन्न हुए दो वेद ज्ञान सप्ताह का विवरण इस अङ्क में प्रकाशित है :-

### शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी (जि. सीधी) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 08 से 14 अक्टूबर 2025 तक वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.) में किया गया। इस कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा प्रतिदिन क्रमशः डॉ. भोला सिंह, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ दशरथ प्रसाद शुक्ल, डॉ अंजनी प्रसाद पाण्डेय, डॉ धनेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, डॉ रामनरेश द्विवेदी, डॉ बुद्धिमान प्रसाद द्विवेदी, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, डॉ. आलोक चन्द्र परीडा ने भिन्न भिन्न वैदिक वाङ्मय के विषय पर व्याख्यान दिया। इस प्रकार सप्तदिवसीय वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

# वेद सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रम (एनएसक्यूएफ स्तर 3.0) की परीक्षा

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 की वेद सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ स्तर 3.0) की परीक्षा का आयोजन दिनाङ्क 09 से 11 अक्टूबर, 2025 तक किया गया। वेद सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ स्तर 3.0) की परीक्षा हेतु प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित पाठशालाओं एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों के छात्रों को परीक्षा पैनल के ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया। लिखित, प्रायोगिक, मौखिक, परियोजना कार्यादि क्रम से परीक्षा सम्पन्न की गयी।

# सौमिक सुवृष्टि सोमयाग की समीक्षा एवं वैज्ञानिक पहल प्रस्तुति

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के वित्तीय सहयोग तथा अक्षय कृषि परिवार, गुजरात के सम्पूर्ण प्रयत्न से दिनाङ्क 27 फरवरी 2025 -12 जून 2025 तक द्वादश ज्योतिर्लिङ्गों में वर्ष 2025 में आयोजित किए गए सोमयागों की समीक्षा की गई। त्र्यम्बकेश्वर, नासिक में आयोजित सोमयाग हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनुदान प्रदान किया गया। वर्ष 2026 में सोमयाग आयोजन की स्वीकृति हेतु दिनाङ्क 15-10-2025 को आयोजित परियोजना समिति की बैठक में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रतिष्ठान द्वारा अक्षय कृषि परिवार, भुज, गुजरात के सहयोग से वर्ष 2025 में द्वादश ज्योतिर्लिङ्गों में व्यापक स्तर पर किए गए सोमयाग की सफलता को ध्यान में रखते हुए परियोजना समिति ने वर्ष 2026 में भी अक्षय कृषि परिवार, भुज, गुजरात संस्था के माध्यम से द्वादश ज्योतिर्लिङ्गों में सोमयाग आयोजित करने की संस्तुति प्रदान की।

# प्रतिष्ठान के अन्तर्गत पाँच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों में दीपावली महोत्सव का आयोजन

दिनांक 20 अक्टूबर 2025 को प्रतिष्ठान के अन्तर्गत पाँच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों (राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पुरी, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक) में दीपावली महोत्सव का अयोजन छात्रों द्वारा विशेष रङ्गोली तथा दीप प्रज्वलित कर सम्पन्न किया।

दीपावली महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों के छात्र

# क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और यह सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष सम्पूर्ण देश में वेद के प्रचार एवं प्रसार को ध्यान में रखकर छह क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, उत्तर पूर्व राज्य में एक क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, एक अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। इस सम्मेलन में सस्वर वेदपाठी भाग लेते हैं। प्रति सम्मेलन में वेद पारायण वेदों पर चिन्तन, वेद शोभा यात्रा आयोजित होती है।

## श्री "पद्मवैद्यम्" तीर्थ वेद विद्यालय, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश

दिनांक 23-25 अक्टूबर 2025 तक श्री "पद्मवैद्यम्" तीर्थ वेद विद्यालय, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गोरखपुर, उत्तरप्रदेश में किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, कोलकाता, मध्यप्रदेश तथा दिल्ली राज्यों के लगभग 100 वैदिक गुरुओं के मुख से समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

प्रथम दिवस में दिनाङ्क 23 अक्टूबर 2025 प्रातःकाल वेद विद्यालय से नौसढ़ चौराहा तक वैदिक विद्वानों, अध्यापकों तथा वेद विद्यालय के छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। तदुपरान्त उद्घाटन सत्र में श्री बृजेश मणि मिश्र (स्वागत भाषण), प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् (बीज वक्तव्य), प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी (मुख्य अतिथि), प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी (सारस्वत अतिथि), प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी (अध्यक्षीय उद्बोधन), डॉ. संकर्षण त्रिपाठी (आभार ज्ञापन) प्रस्तुत किया। मध्याह्न काल में 03 बजे से 05 बजे तक सर्व वेदशाखा पारायण किया गया। सायंकाल में "वेद का स्वरूप एवं उनके संरक्षण के उपाय" विषय पर प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी जी ने विशिष्ट व्याख्यान उपस्थापित किया।

द्वितीय दिवस में दिनाङ्क 24 अक्टूबर 2025 प्रातःकाल गोरखनाथ मन्दिर तथा सायंकाल में सम्मेलन स्थल पर चतुर्वेद पारायण किया गया। "लोकहित में वेदों का अवदान" इस विषय पर सायंकाल में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. श्रीकिशोर मिश्र, प्रतिष्ठान के पूर्व सचिव तथा सारस्वत वक्ता के रूप में प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा ने अपना व्याख्यान दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भरतनाट्यम आदि का मञ्चन किया गया।

तृतीय दिवस दिनाङ्क 25 अक्टूबर 2025 प्रातःकाल में सर्व वेदशाखा पारायण के उपरान्त विचार सत्र में प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने "वेदों में आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के स्रोत एवं नवाचार" विषय पर व्याख्यान दिया। समापन सत्र में कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. उपेन्द्र त्रिपाठी, मुख्य अतिथि प्रो. मुरली मनोहर पाठक, प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, श्री प्रदीप शुक्ल, माननीय विधायक सहजनवा, डॉ. अरविन्द कुमार चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## तन्त्रविद्यापीठम्, अलुवा, केरल

दिनांक 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक तन्त्रविद्यापीठम्, अलुवा, केरल तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन, अलुवा, केरल में किया गया। क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, केरल, महाराष्ट्र राज्यों के लगभग 100 वैदिक विद्वानों द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को प्रातःकाल 06 बजे गो पूजन किया गया। प्रातःकाल 8 बजे वैदिक शोभा यात्रा प्रारम्भ हुई, जिसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों से वैदिक तथा तन्त्र के विद्वान, आध्यात्मिक आचार्यों और केरल के भक्तवृन्द द्वारा कलाडी स्थित शंकराचार्य कीर्तिस्तम्भ से शृंगेरी मठ तक शोभा यात्रा निकाली गयी।

उद्घाटन सत्र में ब्रह्मश्री. डॉ. ई. एन. ईश्वरन् नम्बूदिरी, ब्रह्मश्री मुल्लापल्ली कृष्णन् नम्बूदिरी, सम्पूज्य श्रीमद चिदानन्दपुरी स्वामी जी, प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, ब्रह्मश्री. श्रीनिवासन पोट्टी आदि उपस्थित रहे। मध्याह्न 02.30 बजे से 04 बजे तक सर्ववेदशाखा पारायण तथा सायंकाल प्रथम व्याख्यान में "ऋग्वेद में छन्द" विषय पर वक्ता ब्रह्मश्री कृपा शङ्कर नारायणन नम्बूदिरी तथा द्वितीय व्याख्यान में "यजुर्वेद में अनुप्रयोग और विभिन्नताएँ" विषय पर वक्ता ब्रह्मश्री कदलूर श्रीदास नम्बूदिरी ने व्याख्यान उपस्थापित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत कथकली नृत्यादि (कुचेलावृथम) का प्रदर्शन कलाकारों ने वाद्यवृन्द द्वारा प्रस्तुत किया।

द्वितीय दिवस में प्रातःकाल 8 बजे से चतुर्वेद पारायण (वैदिक मन्त्रोच्चारण) किया गया। तदुपरान्त प्रथम विद्वत सत्र प्रातःकाल 10.30 बजे से 12.30 बजे तक "केरलिया ऋग्वेद अलापनम (ऋग्वेद मन्त्रोच्चारण की केरल शैली)" विषय पर ब्रह्मश्री डॉ. आदिकलेतम केशवन नम्बूदिरी और ब्रह्मश्री मुल्लामंगलथ नारायणन नम्बूदिरी ने अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में "वेदों की व्याख्यात्मक परम्पराएँ- अनुष्ठानिक और पाठ्य परिप्रेक्ष्य" विषय पर डॉ. के. ए. रवीन्द्रन जी ने व्याख्यान दिया।

सायंकाल में चतुर्वेद पारायण के उपरान्त 04.30 बजे से 06 बजे तक प्रथम विद्वत सत्र में ब्रह्मश्री डॉ. थोट्टम शिवकरण नंबूदिरी ने "केरलिया ऋग्वेद सामवेद अलापनम (सामवेद मन्त्रोच्चारण की केरल शैली)" विषय पर व्याख्यान दिया। प्रथम विद्वत सत्र में ब्रह्मश्री कोथमङ्गलम वासुदेवन नंबूदिरी ने "ऋग्वेद में 'न' अक्षर का प्रयोग" विषय पर व्याख्यान दिया। सायंकाल में ओडिसी और भरतनाट्यम नृत्ययुगलादि तथा नदी पूजा (नदी की अनुष्ठानिक पूजा) की गई।

तृतीय दिवस में प्रातःकाल 08 बजे से 10.30 तक चतुर्वेद पारायण किया गया। तदुपरान्त प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक विद्वत सत्र में ब्रह्मश्री नरेन्द्र भट्ट ने "जटा, दण्ड, रथ और घन वेद विकृतिपाठादि मन्त्रोच्चारण – कर्नाटक शैली" विषय पर व्याख्यान दिया तथा ब्रह्मश्री डॉ. नारायणन नंबूदिरी एन.एम. जी ने "आधुनिक युग में ऋग्वेद की प्रासङ्गिकता" विषय पर व्याख्यान दिया। सम्मेलन के समापन सत्र में ब्रह्मश्री एम.पी. सुब्रह्मण्य शर्मा, सम्पूज्य श्रीमद् पार्थसारथी भारतीस्वामी, प्रो. के.के. गीताकुमारी, डॉ. सी.एम. नीलकन्दन, ब्रह्मश्री. पी. बालकृष्ण भट्ट उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

# प्रतिष्ठान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारम्भ

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या C-34013/5/2025-Vig. (Part-1) दिनाङ्क 24 सितम्बर 2025 के अनुपालन में "सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी" थीम पर प्रतिष्ठान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन दिनाङ्क 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 तक किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करते हुए भ्रष्टाचारमुक्त कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है।

इसी अनुक्रम में दिनाङ्क 27 अक्टूबर 2025 को प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र के नेतृत्व में प्रतिष्ठान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक साथ सतर्कता शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर सचिव महोदय ने सभी को अपने दैनिक कार्यों में निष्ठा, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के मूल्यों को आत्मसात् करने एवं सजगता को कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

# अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठियाँ

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सङ्गोष्ठियों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और यह सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। इस सन्दर्भ में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ यह सङ्गोष्ठियाँ दोदिवसीय/त्रिदिवसीय आयोजित की जाती हैं। इस सङ्गोष्ठी में आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाएं, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय आदि भाग लेते हैं। वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसन्धान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में सङ्गोष्ठियाँ सम्पन्न की जाती हैं। यह सङ्गोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित होती हैं।

वर्ष 2025-26 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 07 अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठियों का आयोजन करने की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिसमें से 03 अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठियों का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:-

## नालन्दा पुस्तकालय शोध एवं अनुसन्धान केन्द्र, लेखकगांव, देहरादून में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन

प्रतिष्ठान तथा नालन्दा पुस्तकालय शोध एवं अनुसन्धान केन्द्र, लेखकगांव, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन "वैदिक साहित्य में सन्निहित शाश्वत ज्ञान का डिजिटल संरक्षण और उभरते नवाचार" विषय पर सम्पन्न हुआ।

दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को उद्घाटन सत्र डॉ. सविता मोहन, पूर्व निदेशक, भाषा संस्थान, उत्तराखण्ड, अध्यक्षा नालन्दा पुस्तकालय शोध एवं अनुसन्धान केन्द्र, लेखकगांव, देहरादून की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सत्र के विशिष्ट अतिथि माननीय पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी तथा प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, म.सा.रा.वे.वि. प्रतिष्ठान, उज्जैन के पूर्व उपाध्यक्ष थे।

प्रो. प्रदीप राय, पुस्तकालय अध्यक्ष, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्यवक्ता थे। कार्यक्रम में प्रो. प्रदीप कुमार भारद्वाज, अध्यक्ष, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, प्रो. गोविन्द सिंह रजवार, कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, डॉ. राजेश नैथानी, पूर्व उप कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, डॉ. अनूप कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, म.सा.रा.वे.वि. प्रतिष्ठान, उज्जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उद्घाटन समारोह में मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन करते हुए वाग्देवी के समक्ष पुष्प अर्पित किए। उपस्थित समस्त अतिथियों ने वैदिक वाङ्मय पर सारगर्भित चर्चा प्रस्तुत की। मंच का सञ्चालन श्री पंकज जुयाल, हरिद्वार ने किया। इसी दिन द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. रामविनय सिंह, देहरादून तथा सत्र का संयोजन डॉ. प्रदीप राय दिल्ली ने किया। इस सत्र में शोध पत्रों का वाचन डॉ. विश्वेश वाग्मी, श्रीनगर, डॉ. वेदव्रत हरिद्वार, प्रो. प्रकाश चन्द्र पन्त, हरिद्वार, डॉ. प्रदीप सेमवाल, देहरादून आदि विद्वानों द्वारा किया गया।

दिनाङ्क 1 नवंबर 2025 को सङ्गोष्ठी के तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रदीप राय, दिल्ली तथा संयोजन प्रो. राजेश नैथानी. देहरादून द्वारा किया गया। डॉ. सुमन प्रसाद भट्ट, हरिद्वार, डॉ नवीन जासोला, देहरादून, डॉ. मनीष अग्रवाल, देहरादून, श्री पंकज जुयाल, हरिद्वार, डॉ शशि भूषण सिंह,आगरा, डॉ. पुनीता शर्मा, हरिद्वार आदि विद्वानों ने शोध पत्रों का वाचन किया। इसी दिन अपराह्न चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता प्रो. जे.पी पन्त, पूर्व कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून तथा संयोजन डॉ. प्रदीप राय, दिल्ली द्वारा किया गया। सुश्री हेमा डरमुवाल गजरौला, श्रीमती नीरज गजरौला, श्री आनन्द मोहन जोशी, देहरादून आदि ने अपने - अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

दिनाङ्क 2 नवम्बर 2025 को पञ्चम सत्र की अध्यक्षता प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय देवप्रयाग, उत्तराखण्ड तथा संयोजन प्रो. जे.पी पचौरी, पूर्व कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा किया गया। सुश्री सोनी, हरियाणा, सुश्री अनामिका, चमोली, डॉ. श्रीमन्त चवन, देहरादून , सुभाष चंद्र बडोला, देहरादून, श्री मनोज कुमार शर्मा, देहरादून आदि ने अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया। इसी दिन अपराह्न सम्पूर्ति सत्र के अध्यक्ष पूर्व कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, मुख्यातिथि श्रीमती विदुषी निषंक निदेशक, स्पर्श हिमालय फाउण्डेशन, लेखकगांव, देहरादून, सारस्वत अतिथि प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड, अतिथि प्रो. गोविन्द सिंह रजवार, कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून, डॉ. राजेश नैथानी, पूर्व कुलपति, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून तथा प्रतिष्ठान का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. अनूप कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, म.सा.रा.वे.वि. प्रतिष्ठान, उज्जैन उपस्थित थे। सत्र का सञ्चालन आचार्य आनन्द भट्ट हरिद्वार ने किया। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती का उत्सव

वर्ष 2025 में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर देशभर में श्रद्धा, गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने एक एकजुट, सशक्त और समृद्ध भारत का स्वप्न देखा था, जिसे उन्होंने अपने अद्भुत नेतृत्व, दूरदृष्टि एवं अटूट संकल्प के बल पर साकार किया। इसी प्रेरणा से प्रतिष्ठान में 31 अक्टूबर 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति अपने समर्पण एवं प्रतिबद्धता का संकल्प दोहराया।

# दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, दिल्ली में वैदिक चर्चा सत्र का आयोजन

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयन्ती एवं आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष पर आयोजित सार्द्ध शताब्दी अन्तरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 2025 के उपलक्ष्य में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में "वेदविद्या की कतिपय छवियाँ" विषय पर 01 नवम्बर, 2025 को विशेष परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा सत्र की अध्यक्षा प्रो. शशिप्रभा कुमार एवं संयोजिका प्रो. सुजाता त्रिपाठी थीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 10 बजे वैदिक मङ्गलाचरण सहित दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, सम्मानित अतिथि श्री विश्रुत आर्य तथा विशिष्ट अतिथि प्रो.सुधीर कुमार आर्य थे। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न प्रदेशों से पधारे गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे।

कार्यक्रमानुसार विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये हुए आचार्य विद्वानों-विदुषियों ने प्रतिभागी के रूप में "वेदविद्या की कतिपय छवियाँ" विषय को मूल आधार बनाकर अपने-अपने शोध-पत्रों का वाचन किया जिसमें डॉ.विश्वेश 'वाग्मी' ने वैदिक दर्शन में वाक्शक्ति, डॉ. देवेन्द्र सिंह ने वैदिक शिक्षा के मूलभूत सिद्धान्त, डॉ.प्रीति वर्मा ने वैदिक विचार में ईश्वर-मनुष्य-प्रकृति, डॉ. राजकिशोर ने ऋग्वैदिकी जीवन-दृष्टि, डॉ.रञ्जन लता ने वेदों में भक्ति की अवधारणा, डॉ. निर्मला देवी ने वैदिक मान्यता में मानव शरीर, डॉ. गीतेश निर्वान ने वेदों में नारी-व्यक्तित्व एवं डॉ. अश्विनीकुमार ने वेद- अपौरुषेयत्व-विमर्श विषयों पर सारगर्भित शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों से आये हुए लगभग 200 से अधिक श्रोताओं ने परिचर्चा सत्र का लाभ उठाया। प्रो. सुद्युम्न आचार्य ने आगत सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किया। प्रो. शशिप्रभा कुमार, अध्यक्षा, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। अन्त में प्रो.सुजाता त्रिपाठी द्वारा समस्त उपस्थित गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

# शैक्षणिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के आयोजन

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के अन्तर्गत दिनांक 03 से 18 नवम्बर 2025 तक सस्वर वेद मौखिक परीक्षा तथा दिनांक 03 से 07 नवम्बर 2025 तक आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा का आयोजन प्रतिष्ठान द्वारा किया गया।

# पाणिनि कन्या महाविद्यालय, वाराणसी में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन

प्रतिष्ठान तथा पाणिनि कन्या महाविद्यालय, वाराणसी द्वारा दिनाङ्क 5 से 11 नवम्बर 2025 तक वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया। आयोजन व्याख्यान के अन्तर्गत 7 नवम्बर को आर्य कन्या महाविद्यालय पीजी कॉलेज, वाराणसी एवं 8 नवम्बर को बसन्त कन्या महाविद्यालय, वाराणसी में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रभात फेरी के साथ-साथ सुप्रतिष्ठित वैदिक विद्वानों ने अपने उद्बोधन द्वारा छात्रों को वेद एवं वैदिक वाङ्मय के विविध विषयों से परिचित कराया।

शेष पाँच व्याख्यानों का आयोजन पाणिनि कन्या महाविद्यालय में सम्पन्न किया गया। इन कार्यक्रमों में प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा जी, डॉ. सुद्युम्न आचार्य, आचार्या नन्दिता शास्त्री, प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रियंवदा वेद भारती, डॉ. ज्वलन्त कुमार शास्त्री, डॉ. प्रीति विमर्शिनी आदि वैदिक विद्वानों ने वेद विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रो. पतञ्जलि मिश्र, प्रो. महेन्द्र पाण्डेय, माधुरी तिवारी, पं.राकेश तिवारी आदि गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस प्रकार सप्त दिवसीय वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, द्वारका, गुजरात के साथ भवन निर्माण हेतु (भारत सरकार की स्वीकृति से) समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका में पाठशाला, छात्रावास निर्माण कार्यादि परिसर 18 महीनों के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण कर हस्तान्तरित करने हेतु दिनाङ्क 6 नवम्बर 2025 को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, द्वारका, गुजरात के साथ (भारत सरकार की स्वीकृति से) समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका के सामवेद अध्यापक पं जितेन्द्र दाश, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, गुजरात के मुख्य अभियन्ता श्री अनिल कुमार पाण्डेय एवं केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, द्वारका के कार्यकारी अभियन्ता श्री आनन्द अग्रवाल उपस्थित थे।

## 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव

दिनाङ्क 7 से 14 नवम्बर 2025 तक 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव मनाया गया। भारत का राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' मात्र एक गीत नहीं बल्कि हर भारतीय की पहचान है। यह गीत न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है, बल्कि देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की सुन्दर अभिव्यक्ति भी है। यह भारत की राष्ट्रीय पहचान है जिसका एक-एक शब्द नस-नस में देशभक्ति की भावना को जगाता है, अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाले इस गीत की कहानी भी बहुत रोचक है, जिसे हर भारतीय को जानना बहुत आवश्यक है। इस गीत में भारत माता को एक देवी के रूप में चित्रित किया गया है, स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान यह गीत क्रांतिकारियों और स्वतन्त्रता सेनानियों का प्रेरणास्रोत बना। 1947 में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद, 24 जनवरी 1950 को इसे भारत के राष्ट्रीय गीत (National Song) का दर्जा दिया गया।

माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 7 नवम्बर 2025 को नई दिल्ली में 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले समारोहों का उद्घाटन किया। यह राष्ट्रीय स्मरणोत्सव 2025–26 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य देशवासियों विशेषकर युवाओं को इस गीत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और स्वतन्त्रता संग्राम की भावना से जोड़ना है।

माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने उद्बोधन में कहा 'वन्दे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति भक्ति, साहस और एकता का प्रतीक है। इसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवम्बर 1875 (अक्षय नवमी) को लिखा था। पहली बार यह उनके साहित्यिक पत्र 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ और बाद में उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनन्दमठ' (1882) का हिस्सा बना। गीत में "सुजलाम्, सुफलाम्, मलयजशीतलाम्" जैसी पंक्तियाँ भारत की प्राकृतिक समृद्धि और नैतिक सौन्दर्य का चित्र प्रस्तुत करती हैं।

इस अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के समस्त अध्यापक तथा छात्रों ने राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन किया तथा माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के भाषण को सुनकर हर्ष व्यक्त किया।

# श्री हनुमत संस्कृत वेद विद्यापीठ, लुधियाना, पंजाब में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

दिनाङ्क 10 से 12 नवम्बर 2025 तक श्री हनुमत संस्कृत वेद विद्यापीठ, लुधियाना, पंजाब तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन लुधियाना, पंजाब में किया गया। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखण्ड तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों के लगभग 100 वैदिक गुरुओं द्वारा समवेत स्वर में वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

प्रथम दिवस में दिनाङ्क 10 नवम्बर 2025 प्रातःकाल उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि रूप में श्री भगवंत मान सिंह, माननीय मुख्यमन्त्री पंजाब सरकार, श्री हरदीप सिंह मुंडियां, माननीय कैबिनेट मन्त्री, पंजाब सरकार, श्री भोला गरेवाल, पूर्वी विधायक, लुधियाना एवं गरिमामयी संत उपस्थिति में स्वामी दामोदराचार्य जी महाराज, स्वामी देवादित्यानंद सरस्वती जी महाराज, डॉ. स्वामी श्री श्रीधराचार्य जी महाराज, स्वामी कृष्णानन्द जी महाराज तथा विशिष्ट अतिथि श्री स्वरूप शर्मा, आयुक्त पुलिस अधीक्षक, लुधियाना, प्रतिष्ठान प्रतिनिधि के रूप में श्री लवी त्यागी, सहायक निदेशक उपस्थित थे। प्रातःकाल 10 बजे से 12 बजे तक सर्व वेदशाखा पारायण किया गया। तदुपरान्त मध्याह्न 02 बजे से 04 बजे तक वैदिक सम्मेलन में आमन्त्रित वैदिक विद्वानों, अध्यापकों तथा वेद विद्यालय के छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सायंकाल में 04 बजे से 06 बजे तक मुख्यवक्ता प्रो. मनोज मिश्र ने "वैदिक संस्कृति तथा वर्तमान भारतीय जीवन शैली" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान उपस्थापित किया।

द्वितीय दिवस में दिनांक 11 नवम्बर 2025, मंगलवार को प्रातः 08:00 से 10:00 तक सर्व वेद शाखा पारायण, तदुपरान्त 10 से 12 बजे तक मुख्यवक्ता प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने "वैदिक संस्कृति तथा वर्तमान भारतीय जीवन शैली" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान उपस्थापित किया। मध्याह्न 02 बजे से 04 बजे तक सर्व वेद शाखा पारायण तथा सायंकाल में 04 से 06 बजे तक प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय ने "वैदिक संस्कृति तथा वर्तमान भारतीय जीवन शैली" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान उपस्थापित किया।

तृतीय दिवस में दिनाङ्क 12 नवम्बर 2025 को प्रातःकाल में 08 से 12 बजे तक सर्व वेद शाखा पारायण किया गया। मध्याह्न 02 बजे से 04 बजे तक विद्वत्सम्मान समारोह में प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय, परम पूज्य गुरुदेव जी, संस्थापक श्री राजेश मिश्र, श्री सरजूदास त्यागी जी महाराज तथा प्रतिष्ठान प्रतिनिधि के रूप में श्री लवी त्यागी आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

# आचार्य वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेद विद्यापीठ, गुना, मध्यप्रदेश में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

दिनाङ्क 15 से 17 नवम्बर 2025 तक आचार्य वाचस्पति शुक्ल संस्कृत वेद विद्यापीठ, गुना, मध्यप्रदेश तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गुना, मध्यप्रदेश में किया गया। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के लगभग 100 वैदिक गुरुओं द्वारा वेद की सभी शाखाओं का सस्वर पाठ किया गया।

प्रथम दिवस में दिनाङ्क 15 नवम्बर 2025 (मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष एकादशी) प्रातःकाल 8:30 से 11 बजे तक वेद विद्यालय, आवन मुख्यमार्ग से साडा कॉलोनी, राघौगढ़ तक वैदिक विद्वानों, अध्यापकों तथा वेद विद्यालय के छात्रों द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न 11:30 से 01:00 बजे तक उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष माननीय श्री दिग्विजय सिंह (राज्यसभा सांसद, पूर्व मुख्यमन्त्री, म.प्र.), मुख्य अतिथि श्री रामनारायण लोधा, विशिष्ट अतिथि श्री राधेश्याम धाकड़, विशिष्ट वैदिक विद्वान प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, विशेष अतिथि माननीय जयवर्धन सिंह, सारस्वत अतिथियों के रूप में श्री विनय कुमार गुप्ता, डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, श्री भरत बैरागी तथा पावन सन्निधि श्री ईश्वरदास महाराजादि उपस्थित थे। मध्याह्न भोजन के उपरान्त अपराह्न 02 से 04 बजे तक सर्व वेदशाखा पारायण, सायं 04.30 से 06:00 बजे तक वेदविषयक व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा एवं सत्राध्यक्ष प्रो. नारायण होस्मने ने व्याख्यान दिया। रात्रि 08 से 9:30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

द्वितीय दिवस दिनाङ्क 16 नवम्बर 2025 (मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष द्वादशी) प्रातःकाल 8:30 से 9:30 बजे तक विद्यालय परिसर से परिक्रमा मार्ग तक वेद सन्देश यात्रा का आयोजन किया गया। प्रातःकाल एवं अपराह्न में सर्व वेद शाखा पारायण, सायं 04.30 से 06:00 बजे तक वेद विषयक व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. नारायण होस्मने एवं सत्राध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने व्याख्यान दिया। रात्रि 08 से 10 बजे तक काव्य पाठ का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 17 नवम्बर 2025 (मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष त्रयोदशी) तृतीय दिवस में प्रातःकाल 8:30 से 10:30 बजे तक सर्व वेद शाखा पारायण, पूर्वाह्न 10:30 से 12.00 बजे तक वेद विषयक व्याख्यान सत्र में पावन सन्निधि सन्त श्री पण्डित बृज किशोर पारीक एवं सत्राध्यक्ष प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने व्याख्यान दिया। अपराह्न 02 से 05 बजे तक सम्पूर्ति सत्र में मुख्य अतिथि माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर (माननीय विधानसभा अध्यक्ष, मध्यप्रदेश), विशिष्ट अतिथि प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, विशेष अतिथियों के रूप में मा. जयवर्धन सिंह, मा. लक्ष्मण सिंह, मा. अरविंद धाकड़ तथा सारस्वत अतिथियों के रूप में प्रो. किशन यादव, श्री जागेश्वर पटेल, प्रेमनारायण राठौर आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## जनजातीय गौरव दिवस - 2025

जनजातीय स्वतन्त्रता सेनानी और उपनिवेशवाद-विरोधी भगवान बिरसा मुण्डा की जयन्ती के उपलक्ष्य में भारत में प्रतिवर्ष 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। भगवान बिरसा मुण्डा का जन्म 1874 में हुआ था। वर्ष 2024-25 में उनके जन्म के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। वर्ष भर तक चलने वाले देशव्यापी समारोहों के एक भाग के रूप में, 1-15 नवम्बर का पखवाड़ा भारत के उप निवेशवाद-विरोधी संघर्ष में भगवान बिरसा मुण्डा और अन्य भारतीय जनजातीय

नेताओं के बलिदान और संघर्षों का सम्मान करने तथा देश की जनजातीय संस्कृतियों और विरासत की समृद्ध विविधता के ज्ञान हेतु एक उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश प्रपन्न त्रिपाठी ने "भारत के जनजातीय स्वतन्त्रता सेनानी के रूप में भगवान बिरसा मुण्डा का अवदान" विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के समस्त अध्यापक तथा छात्र उपस्थित थे।

## ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओड़िशा में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओड़िशा के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 17 नवम्बर 2025 से 19 नवम्बर 2025 तक त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह सङ्गोष्ठी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के कुशल नेतृत्व में तथा विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के अथक प्रयास से सम्पन्न हुई। इस सङ्गोष्ठी का मुख्य विषय "वैदिक मन्त्रों की व्याख्या में वेदान्त साहित्य की प्रासङ्गिकता" था। इस सङ्गोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों से अनेक अतिथि एवं वक्ता उपस्थित हुये। विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से आगत विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये। विश्वविद्यालय के शिक्षक,छात्र एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. श्री नरसिंह चरण पण्डा अध्यक्ष के रूप में, समुद्घाटक के रूप में प्रो. मुरली मनोहर पाठक, प्रो. शत्रुघ्न पाणिग्रही विशिष्ट अतिथि के रूप में, प्रो. पतञ्जलि मिश्र मुख्य वक्ता के रूप में, विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री दुर्योधन सेठी, विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. चक्रधर प्रधान ने माननीय केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री का सन्देश पढ़ा। संयोजन डॉ.नवीन कुमार प्रधान ने किया।

समापन सत्र के अध्यक्ष प्रो. नरसिंह चरण पण्डा, सारस्वत अतिथि प्रो. रघुनाथ पण्डा, सम्मानित अतिथि. प्रो अरुण रञ्जन मिश्र, मुख्य वक्ता प्रो. गोपाल कृष्ण दाश, मुख्यातिथि श्री दुर्योधन सेठी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत सङ्गोष्ठी के सह-संयोजक डॉ अरुण कुमार ने किया। सत्र का संचालन डॉ एस एस राव ने किया। अन्त में, शान्ति पाठ के साथ सङ्गोष्ठी सम्पन्न हुई। देश के विभिन्न प्रान्तों से 60 वैदिक विद्वान तथा विश्वविद्यालय के दो सौ शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

# राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का शैक्षणिक भ्रमण

दिनाङ्क 18 नवम्बर 2025 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को कपिलास विज्ञान उद्यान, ढेंकनाल, ओडिशा के शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया।

# श्रीराम मन्दिर, अयोध्या में ध्वजारोहण कार्यक्रम हेतु चतुर्वेद पारायण

श्रीराम मन्दिर परिसर, अयोध्या में षष्ठ दिवसीय ध्वजारोहण कार्यक्रम दिनाङ्क 20 से 25 नवम्बर 2025 तक आयोजित किया गया। इस ध्वजारोहण कार्यक्रम में 20 नवम्बर 2025 को सायं 4 बजे सरयू नदी से जल लेकर महिलाओं ने राम मन्दिर के लिए प्रस्थान किया, वहीं 21 से 24 नवम्बर 2025 को विविध हवन पूजन कार्यक्रम तथा वेद पारायणादि सम्पन्न हुये। 25 नवम्बर 2025 को प्रातःकाल हवन पूजन और ध्वज का पूजन किया गया, मध्याह्न 11.58 से 12.30 बजे तक ध्वजारोहण के समय भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के षष्ठ और वर्तमान सरसंघचालक माननीय श्री मोहन भागवत जी, उत्तरप्रदेश राज्य की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा उत्तरप्रदेश के माननीय मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी आदि की गरीमामयी उपस्थिति रही।

प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के ऋग्वेद शाकल शाखा के अध्यापक पं. सत्यम शुक्ल को दिनाङ्क 21 नवम्बर से 25 नवम्बर पर्यन्त विभिन्न पूजन होम चतुर्वेद पारायणादि कार्यक्रम में ऋग्वेद शाकल शाखा पारायण हेतु उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का शैक्षणिक भ्रमण

दिनाङ्क 21 नवम्बर 2025 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को शैक्षणिक प्रवास के अन्तर्गत भ्रमण पर द्वारका ओखा मण्डल पर ले जाया गया।

## श्री श्री जगद्गुरु शङ्कराचार्य महासंस्थान-दक्षिणाम्नाय श्रीशृङ्गेरी : जगद्गुरु श्रीविधुशेखर भारती-महास्वामी जी की धर्म विजय यात्रा के उपलक्ष्य में दिल्ली में प्रतिष्ठान द्वारा वेद सम्मेलन का आयोजन

दिनाङ्क 25 नवम्बर 2025 को श्री श्री विधुशेखर भारती-महास्वामी भारत की राजधानी दिल्ली में प्रवर्त्यमान धर्म विजय यात्रा के उपलक्ष्य में चन्द्रमान -विश्वावसु वत्सरीय-मार्गशीर्ष- शुक्लपक्ष पञ्चमी तिथि में एक दिनात्मक विशिष्ट वेद सम्मेलन आयोजन श्रीशङ्कर विद्या केन्द्र, पश्चिमी मार्ग, वसन्त विहार नई दिल्ली में किया गया। इस सम्मेलन में विविध राज्यों से समागत ब्रह्मस्वरूप वेद पण्डितों ने स्व-स्व वेद शाखा पारायण एवं वेदघनपाठादि किया।

इस अवसर पर पं. श्री कुप्पा शिव सुब्राह्मण्य अवधानी, पं. कुप्पा श्रीनिवास शास्त्री, प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, प्रतिष्ठान के पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. रामराज उपाध्याय, ऋग्वेद शाकल शाखा के पं. श्री निवास पैन्युली, सामवेद कौथुमशाखा के पं. के. राजशेखर श्रौती, अथर्ववेद शौनक शाखा के पं. प्रो. नारायण होस्मने, छात्रों सहित शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा के पं. श्री ब्रजेश कुमार झा उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष. वि. जड्डीपाल्, डॉ. अनूप कुमार मिश्र, श्री विनय कुमार शर्मा तथा श्री कुञ्ज बिहारी पाण्डेय उपस्थित थे। दिल्ली में स्थित श्री निवास संस्कृत विद्यापीठ एवं श्री गुरु रामराय उदासीन पाठशाला के अध्यापकों तथा छात्रों ने सम्मेलन में उपस्थित होकर वेदपारायण किया।

## संविधान दिवस - 2025

दिनाङ्क 26 नवम्बर 2025 को समग्र भारत देश में संविधान दिवस गौरव के साथ मनाया गया। वर्ष 2025 का संविधान दिवस इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस वर्ष भारत ने संविधान को अपनाए जाने का 76वाँ वर्ष पूर्ण किया। 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने दीर्घ विचार-विमर्श, तर्क और व्यापक चर्चा के बाद संविधान को औपचारिक रूप से अङ्गीकृत किया था। आगे चलकर 26 जनवरी 1950 को भारत एक पूर्ण गणतन्त्र बना।

इस उपलक्ष्य में प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने 'निबन्ध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' में भाग लिया। अध्यापकों ने छात्रों को बताया कि – संविधान दिवस केवल एक समारोह नहीं, बल्कि भारत की लोकतान्त्रिक परम्परा, न्याय, समानता, स्वतन्त्रता और बन्धुत्व के मूल्यों का उत्सव है। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के अधिकारी, कर्मचारी, अध्यापक एवं वटुकगण उपस्थित थे।

## राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी का शैक्षणिक भ्रमण

दिनाङ्क 27 नवम्बर 2025 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्रों एवं अध्यापकों ने सामूहिक रूप से माँ कामाख्या के दर्शन हेतु शैक्षणिक यात्रा की तथा मन्दिर परिसर में चतुर्वेद पारायण, श्रीसूक्त एवं कामाख्या स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया।

## राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम का केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, गुवाहाटी, असम के साथ भवन निर्माण हेतु (भारत सरकार की स्वीकृति से) समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम में वेद पाठशाला, छात्रावास, यज्ञशाला निर्माण कार्यादि हस्तान्तरित करने हेतु दिनाङ्क 28 नवम्बर, 2025 को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, गुवाहाटी, असम के साथ (भारत सरकार की स्वीकृति से) समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी के सामवेद अध्यापक पं नन्दलाल श्रोत्रिय एवं लक्ष्मीकान्त जोशी तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, गुवाहाटी, असम के मुख्य अभियन्ता उपस्थित थे।

# गीता जयन्ती महोत्सव - 2025

दिनाङ्क 01 दिसम्बर 2025 को महर्षि राष्ट्रीय सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान अन्तर्गत पाँच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों (उज्जैन, पुरी, द्वारका, गुवाहाटी, कर्नाटक) में अतीव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उज्जैन में छात्रों ने गीता के द्वितीय, द्वादश, पञ्चदशाध्यायों का पाठ किया गया एवं श्री कुञ्जबिहारी पाण्डेय ने गीता विषय पर व्याख्यान दिया, पुरी में छात्रों ने गीता के द्वादश, पञ्चदशाध्याय का पाठ, द्वारका में छात्रों ने गीता के द्वादश, पञ्चदशाध्याय का पाठ एवं स्पर्धा का आयोजन किया गया, गुवाहाटी में छात्रों ने गीता के द्वादश, पञ्चदश, सप्तदशाध्याय का पाठ तथा कर्नाटक में छात्रों द्वारा किये गये समग्र गीता पाठ के समय प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष. वि. जड्डीपाल् साक्षात् उपस्थित थे।

# राष्ट्रीय वेद वाङ्मय शोध कार्यशाला, पुणे

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे के संयुक्त तत्त्वावधान में सप्त दिवसीय राष्ट्रीय वेद वाङ्मय शोध कार्यशाला (वेदवाङ्मयशोधसप्ताहः) का आयोजन दिनाङ्क 02-08 दिसम्बर 2025 तक किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रस्तावित वक्तव्य प्रो. वि. सुब्रह्मण्यम्, मुख्य अतिथि श्री चन्द्रशेखर वझे तथा अध्यक्षीय वक्तव्य प्रो. निर्मला कुलकर्णी द्वारा उपस्थापित किया गया। श्री कृष्णा भगवान माली द्वारा धन्यवाद प्रस्तुत किया गया। सप्त दिवसीय कार्यक्रम में 'चतुर्वेदों का पारायण, चारों वेदों, ब्राह्मण ग्रन्थों, आरण्यकों एवं उपनिषद का भाष्य, अनुवाद एवं अनुसन्धान, षट् वेदाङ्गों का प्रकाशन, अनुसन्धान एवं महत्त्व भारतीय एवं पश्चात्य विश्वविद्यालय में वेद विषय पर अनुसन्धान कार्य, वेदों की पाण्डुलिपियों, देश-विदेश में संग्रहालय, आधुनिक समय में वेद के मनीषी' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। समापन सत्र में प्रो. वि. सुब्रह्मण्यम् (निदेशक, वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे) तथा मुख्य अतिथि डॉ. अमित वशिष्ठ (आयुक्त, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन विभाग, पुणे) तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल (सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन), सत्र के सत्राध्यक्ष प्रो. रवीन्द्र मूळे उपस्थित थे।

# भारतीय भाषा उत्सव - 2025

महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयन्ती के सम्मान में प्रतिवर्ष एक सप्ताह तक चलने वाला समारोह 04 दिसम्बर 2025 से प्रारम्भ होकर 11 दिसम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ। इस दिन 'भारतीय भाषा उत्सव 2025' मनाया गया। यह उत्सव महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती के सदैव रहने वाले योगदान को श्रद्धाञ्जलि है और इसका उद्देश्य भारत की भाषा की समृद्धि के लिए सम्मान और ज्ञान को बढ़ावा देना है। इस वर्ष की थीम "भाषाएँ अनेक, भाव एक" भारत की अलग-अलग भाषाई परम्पराओं को जोड़ने वाली एकता, सहभागिता और सामूहिक सांस्कृतिक भावना को सुन्दरता से दिखाती है। इस उपलक्ष्य में प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के छात्रों ने अपने राज्य की भाषा में वेदों पर अपने विचार अभिव्यक्त किये। डॉ. मिथिलेश कुमार पाण्डेय तथा डॉ. जयप्रकाश द्विवेदी ने छात्रों को भारतीय संविधान में समाविष्ट 22 भाषाओं के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भाषाएँ न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम हैं, परन्तु सांविधानिक व सांस्कृतिक एकता का भी माध्यम है। कार्यक्रम का सञ्चालन पं. सत्यम शुक्ल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के अधिकारी, कर्मचारी, अध्यापक एवं वटुकगण उपस्थित थे।

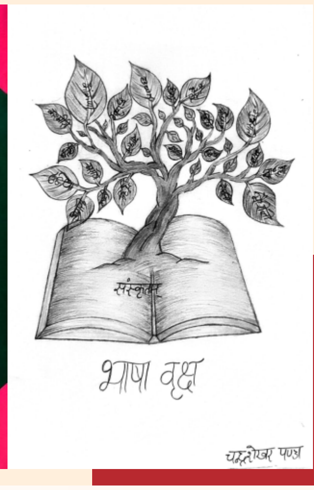


# कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा, बिहार में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं स्नातकोत्तर दर्शन विभाग, कामेश्वर सिंह दरभङ्गा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 11 से 13 दिसम्बर 2025 तक "वैदिकमन्त्राणां दार्शनिकं विश्लेषणम्" विषय पर त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनाङ्क 11 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, मुख्यातिथि प्रो. कृष्णकान्त शर्मा, सारस्वतातिथि प्रो. उपेन्द्र त्रिपाठी, विशिष्टातिथि प्रो. उमेश शर्मा, स्वागत कर्ता प्रो. ब्रजेश पति त्रिपाठी, विषय प्रवर्तक डॉ.धीरज कुमार पाण्डेय, मञ्च सञ्चालिका डॉ. साधना शर्मा थीं। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधीर कुमार द्वारा किया गया। इसी दिन द्वितीय सत्र के अध्यक्ष प्रो. राम किशोर त्रिपाठी, मुख्यातिथि प्रो. उपेन्द्र झा, सारस्वतातिथि प्रो. शशिनाथ झा, विशिष्टातिथि डॉ. लक्ष्मीनाथ झा जी थे। मञ्च का सञ्चालन डॉ. एल. सविता आर्या द्वारा किया गया।

दिनाङ्क 12 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक तृतीय सत्र के अध्यक्ष प्रो. देव नारायण झा, मुख्यातिथि प्रो.रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य, सारस्वतातिथि प्रो. महानन्द झा, विशिष्टातिथि डॉ. अखिलेश मिश्र, स्वागत कर्ता डॉ. रीतेश कुमार चतुर्वेदी थे। चतुर्थ सत्र के अध्यक्ष प्रो. दयानाथ झा, मुख्यातिथि प्रो.धर्मदत्त चतुर्वेदी, सारस्वतातिथि प्रो. अरुण कुमार मिश्र, विशिष्टातिथि डॉ. संतन कुमार थे, मञ्च का सञ्चालन डॉ. अम्बरीष मिश्र द्वारा किया गया। पञ्चम सत्र की अध्यक्षता प्रो. रामचन्द्र झा ने की। इस सत्र के मुख्यातिथि प्रो. माधव जनार्दन रटाटे, सारस्वतातिथि डॉ. बोआनन्द झा, विशिष्टातिथि डॉ. दिव्य चेतन स्वरूप शास्त्री थे। मञ्च का सञ्चालन डॉ. शशिकान्त ने किया। दिनाङ्क 13 दिसम्बर 2025 को षष्ठ सत्र की अध्यक्षता प्रो.कमलेश कुमार झा द्वारा की गई। इस सत्र के मुख्यातिथि प्रो.श्रीपति त्रिपाठी, सारस्वतातिथि प्रो.सुरेश्वर झा, विशिष्टातिथि डॉ.सञ्जय कुमार तथा डॉ. सदानन्द त्रिपाठी थे। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो.लक्ष्मी निवास पाण्डेय द्वारा की गई। इस सत्र के मुख्यातिथि प्रो.अभिराज राजेन्द्र मिश्र, सारस्वतातिथि डॉ. जय शङ्कर झा, विशिष्टातिथि प्रो. सिद्धार्थ शङ्कर सिंह, स्वागत कर्ता प्रो. ब्रजेश पति त्रिपाठी, प्रतिवेदन पाठन कर्ता डॉ. धीरज कुमार पाण्डेय थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का शैक्षणिक भ्रमण

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का शैक्षणिक भ्रमण दिनाङ्क 23 -24 दिसम्बर 2025 को आयोजित किया गया। छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास हेतु इस अवसर पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिङ्ग, ममलेश्वर मन्दिर, एकात्म धाम, श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम की सामूहिक रूप से शैक्षणिक यात्रा तथा मन्दिर परिसर में सामूहिक रूप से चतुर्वेद पारायण किया।

## चतुर्वेद पारायण तथा संहिता स्वाहाकार

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा जिला प्रशासन चित्तौड़गढ, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दिनाङ्क 23 से 28 दिसम्बर 2025 तक चतुर्वेद पारायण तथा संहिता स्वाहाकार का आयोजन संहितापाठी वेद विद्वानों के सान्निध्य में सम्पन्न किया गया।

# कला कुञ्ज : कला एवं संस्कृति का सङ्गम

चित्रकार : सत्यप्रकाश पाण्डेय (अ. शौनक शाखा)
वेदभूषण पञ्चम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी

चित्रकार : चन्द्रशेखर पण्डा (शु.य.काण्व शाखा)
वेदभूषण पञ्चम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका

चित्रकार : शुभम त्रिपाठी (शु.य.काण्व शाखा)
वेदभूषण पञ्चम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका

चित्रकार : स्मृतिरंजन पण्डा (अ. पैप्पलाद शाखा)
वेदभूषण पञ्चम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी

चित्रकार : चेतन शर्मा (ऋ. शाकल शाखा)
वेदविभूषण प्रथम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन

चित्रकार : सत्यम पारीक (अ. शौनक शाखा)
वेदविभूषण प्रथम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन

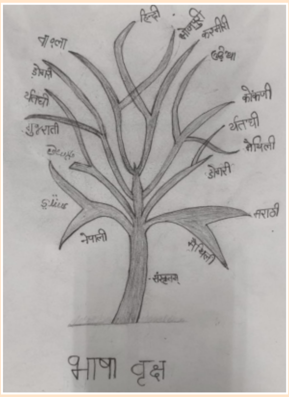


चित्रकार : सुशांत कुमार पति (शु.य. काण्व शाखा)
वेदभूषण चतुर्थ वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी

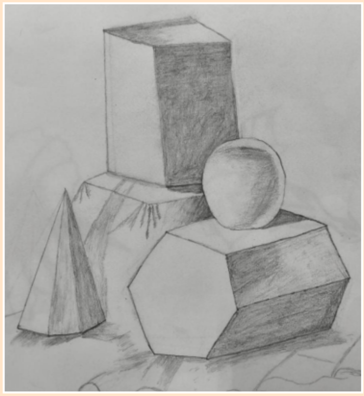

चित्रकार : अश्विनी कुमार पति (शु.य. काण्व शाखा)
वेदभूषण चतुर्थ वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी

चित्रकार : संकेत कर (अ. पैप्पलाद शाखा)
वेदभूषण पञ्चम वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी

चित्रकार : जागृत पाण्डेय (शु.य. माध्यन्दिन शाखा)
वेदभूषण चतुर्थ वर्ष, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उत्तराखण्ड

प्रेषक / From

सचिव/Secretary,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISTHAN
(An Autonomous Organisation of Ministry of Education, Govt. of India)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, Ujjian (M.P.) 456006
दूरभाष /Telephone : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल /E-mail : msrvvpujn.edu@gov.in; msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट / Website : www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, Book-Post

## श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी

माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार एवं माननीय अध्यक्ष
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

**विक्रमसंवत् 2082-83**
**हार्दिक शुभकामनाओं सहित**
# 2026

### जनवरी 2026
विक्रम संवत् 2082 पौष शुक्ल-माघ शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 पौष शुक्ल १३ | 2 पौष शुक्ल १४ | 3 पौष पूर्णिमा |
| 4 माघ कृष्ण १ | 5 माघ कृष्ण २ | 6 माघ कृष्ण ३/४ | 7 माघ कृष्ण ५ | 8 माघ कृष्ण ६ | 9 माघ कृष्ण ७ | 10 माघ कृष्ण ७ |
| 11 माघ कृष्ण ८ | 12 माघ कृष्ण ९ | 13 माघ कृष्ण १० | 14 माघ कृष्ण ११ | 15 माघ कृष्ण १२ | 16 माघ कृष्ण १३ | 17 माघ कृष्ण १४ |
| 18 माघ अमावस्या | 19 माघ शुक्ल १ | 20 माघ शुक्ल २ | 21 माघ शुक्ल ३ | 22 माघ शुक्ल ४ | 23 माघ शुक्ल ५ | 24 माघ शुक्ल ६ |
| 25 माघ शुक्ल ७ | 26 माघ शुक्ल ८ | 27 माघ शुक्ल ९ | 28 माघ शुक्ल १० | 29 माघ शुक्ल ११ | 30 माघ शुक्ल १२ | 31 माघ शुक्ल १३/१४ |

### फरवरी 2026
विक्रम संवत् 2082 माघ शुक्ल-फाल्गुन शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 माघ पूर्णिमा | 2 फाल्गुन कृष्ण १ | 3 फाल्गुन कृष्ण २ | 4 फाल्गुन कृष्ण ३ | 5 फाल्गुन कृष्ण ४ | 6 फाल्गुन कृष्ण ५ | 7 फाल्गुन कृष्ण ६ |
| 8 फाल्गुन कृष्ण ७ | 9 फाल्गुन कृष्ण ८ | 10 फाल्गुन कृष्ण ८ | 11 फाल्गुन कृष्ण ९ | 12 फाल्गुन कृष्ण १० | 13 फाल्गुन कृष्ण ११ | 14 फाल्गुन कृष्ण १२ |
| 15 फाल्गुन कृष्ण १३ | 16 फाल्गुन कृष्ण १४ | 17 फाल्गुन अमावस्या | 18 फाल्गुन शुक्ल १ | 19 फाल्गुन शुक्ल २ | 20 फाल्गुन शुक्ल ३ | 21 फाल्गुन शुक्ल ४ |
| 22 फाल्गुन शुक्ल ५ | 23 फाल्गुन शुक्ल ६ | 24 फाल्गुन शुक्ल ७/८ | 25 फाल्गुन शुक्ल ९ | 26 फाल्गुन शुक्ल १० | 27 फाल्गुन शुक्ल ११ | 28 फाल्गुन शुक्ल १२ |

### मार्च 2026
विक्रम संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल-चैत्र शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 फाल्गुन शुक्ल १३ | 2 फाल्गुन शुक्ल १४ | 3 फाल्गुन पूर्णिमा | 4 चैत्र कृष्ण १ | 5 चैत्र कृष्ण २ | 6 चैत्र कृष्ण ३ | 7 चैत्र कृष्ण ४ |
| 8 चैत्र कृष्ण ५ | 9 चैत्र कृष्ण ६ | 10 चैत्र कृष्ण ७ | 11 चैत्र कृष्ण ८ | 12 चैत्र कृष्ण ९ | 13 चैत्र कृष्ण १० | 14 चैत्र कृष्ण १०/११ |
| 15 चैत्र कृष्ण ११ | 16 चैत्र कृष्ण १२ | 17 चैत्र कृष्ण १३ | 18 चैत्र कृष्ण १४ | 19 चैत्र अमावस्या चैत्र शुक्ल १ | 20 चैत्र शुक्ल २ | 21 चैत्र शुक्ल ३ |
| 22 चैत्र शुक्ल ४ | 23 चैत्र शुक्ल ५ | 24 चैत्र शुक्ल ६ | 25 चैत्र शुक्ल ७ | 26 चैत्र शुक्ल ८ | 27 चैत्र शुक्ल ९ | 28 चैत्र शुक्ल १० |
| 29 चैत्र शुक्ल ११ | 30 चैत्र शुक्ल १२ | 31 चैत्र शुक्ल १३ | | | दिनांक १९/०३/२०२६ से रौद्र नामक विक्रम संवत् २०८३ आरम्भ | |

### अप्रैल 2026
विक्रम संवत् 2083 चैत्र शुक्ल-वैशाख शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 चैत्र शुक्ल १४ | 2 चैत्र पूर्णिमा | 3 वैशाख कृष्ण १ | 4 वैशाख कृष्ण २ |
| 5 वैशाख कृष्ण ३ | 6 वैशाख कृष्ण ४ | 7 वैशाख कृष्ण ५ | 8 वैशाख कृष्ण ६ | 9 वैशाख कृष्ण ७ | 10 वैशाख कृष्ण ८ | 11 वैशाख कृष्ण ९ |
| 12 वैशाख कृष्ण १० | 13 वैशाख कृष्ण ११ | 14 वैशाख कृष्ण १२ | 15 वैशाख कृष्ण १३ | 16 वैशाख कृष्ण १४ | 17 वैशाख अमावस्या | 18 वैशाख शुक्ल १ |
| 19 वैशाख शुक्ल २ | 20 वैशाख शुक्ल ३/४ | 21 वैशाख शुक्ल ५ | 22 वैशाख शुक्ल ६ | 23 वैशाख शुक्ल ७ | 24 वैशाख शुक्ल ८ | 25 वैशाख शुक्ल ९ |
| 26 वैशाख शुक्ल १० | 27 वैशाख शुक्ल ११ | 28 वैशाख शुक्ल १२ | 29 वैशाख शुक्ल १३ | 30 वैशाख शुक्ल १४ | | |

### मई 2026
विक्रम संवत् 2083 वैशाख शुक्ल-अधिक ज्येष्ठ शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 अधिक ज्येष्ठ पूर्णिमा | | | | | 1 वैशाख पूर्णिमा | 2 ज्येष्ठ कृष्ण १ |
| 3 ज्येष्ठ कृष्ण २ | 4 ज्येष्ठ कृष्ण ३ | 5 ज्येष्ठ कृष्ण ४ | 6 ज्येष्ठ कृष्ण ४ | 7 ज्येष्ठ कृष्ण ५ | 8 ज्येष्ठ कृष्ण ६ | 9 ज्येष्ठ कृष्ण ७ |
| 10 ज्येष्ठ कृष्ण ८ | 11 ज्येष्ठ कृष्ण ९ | 12 ज्येष्ठ कृष्ण १० | 13 ज्येष्ठ कृष्ण ११ | 14 ज्येष्ठ कृष्ण १२ | 15 ज्येष्ठ कृष्ण १३/१४ | 16 ज्येष्ठ अमावस्या |
| 17 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल १ | 18 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल २ | 19 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ३ | 20 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ४ | 21 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ५ | 22 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ६/७ | 23 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ८ |
| 24 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ९ | 25 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल १० | 26 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ११ | 27 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल ११ | 28 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल १२ | 29 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल १३ | 30 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल १४ |

### जून 2026
विक्रम संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-निज ज्येष्ठ शुक्ल

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण १ | 2 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण २ | 3 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ३ | 4 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ४ | 5 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ५ | 6 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ६ |
| 7 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ७ | 8 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ८ | 9 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ९ | 10 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण १० | 11 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ११ | 12 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण १२ | 13 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण १३ |
| 14 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण १४ | 15 ज्येष्ठ अमावस्या/ निज ज्येष्ठ शुक्ल १ | 16 ज्येष्ठ शुक्ल २ | 17 ज्येष्ठ शुक्ल ३ | 18 ज्येष्ठ शुक्ल ४ | 19 ज्येष्ठ शुक्ल ५ | 20 ज्येष्ठ शुक्ल ६ |
| 21 ज्येष्ठ शुक्ल ७ | 22 ज्येष्ठ शुक्ल ८ | 23 ज्येष्ठ शुक्ल ९ | 24 ज्येष्ठ शुक्ल १० | 25 ज्येष्ठ शुक्ल ११ | 26 ज्येष्ठ शुक्ल १२ | 27 ज्येष्ठ शुक्ल १३ |
| 28 ज्येष्ठ शुक्ल १४ | 29 ज्येष्ठ पूर्णिमा | 30 आषाढ़ कृष्ण १ | | | | |

### जुलाई 2026
विक्रम संवत् 2083 आषाढ़ कृष्ण-श्रावण कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 आषाढ़ कृष्ण १ | 2 आषाढ़ कृष्ण २ | 3 आषाढ़ कृष्ण ३ | 4 आषाढ़ कृष्ण ४ |
| 5 आषाढ़ कृष्ण ५ | 6 आषाढ़ कृष्ण ६ | 7 आषाढ़ कृष्ण ७ | 8 आषाढ़ कृष्ण ८ | 9 आषाढ़ कृष्ण ९ | 10 आषाढ़ कृष्ण १०/११ | 11 आषाढ़ कृष्ण १२ |
| 12 आषाढ़ कृष्ण १३ | 13 आषाढ़ कृष्ण १४ | 14 आषाढ़ अमावस्या | 15 आषाढ़ शुक्ल १ | 16 आषाढ़ शुक्ल २ | 17 आषाढ़ शुक्ल ३/४ | 18 आषाढ़ शुक्ल ५ |
| 19 आषाढ़ शुक्ल ६ | 20 आषाढ़ शुक्ल ७ | 21 आषाढ़ शुक्ल ८ | 22 आषाढ़ शुक्ल ९ | 23 आषाढ़ शुक्ल ९ | 24 आषाढ़ शुक्ल १० | 25 आषाढ़ शुक्ल ११ |
| 26 आषाढ़ शुक्ल १२ | 27 आषाढ़ शुक्ल १३ | 28 आषाढ़ शुक्ल १४ | 29 आषाढ़ पूर्णिमा | 30 श्रावण कृष्ण १ | 31 श्रावण कृष्ण २ | |

### अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 श्रावण कृष्ण-भाद्रपद कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 30 भाद्रपद कृष्ण २ | 31 भाद्रपद कृष्ण ३ | | श्रावण शुक्ल पूर्णिमा प्रतिष्ठान स्थापना दिवस | | | 1 श्रावण कृष्ण ३ |
| 2 श्रावण कृष्ण ४ | 3 श्रावण कृष्ण ५ | 4 श्रावण कृष्ण ६ | 5 श्रावण कृष्ण ७ | 6 श्रावण कृष्ण ८ | 7 श्रावण कृष्ण ९ | 8 श्रावण कृष्ण १० |
| 9 श्रावण कृष्ण ११ | 10 श्रावण कृष्ण १२/१३ | 11 श्रावण कृष्ण १४ | 12 श्रावण अमावस्या | 13 श्रावण शुक्ल १ | 14 श्रावण शुक्ल २ | 15 श्रावण शुक्ल ३ |
| 16 श्रावण शुक्ल ४ | 17 श्रावण शुक्ल ५ | 18 श्रावण शुक्ल ६ | 19 श्रावण शुक्ल ७ | 20 श्रावण शुक्ल ८ | 21 श्रावण शुक्ल ९ | 22 श्रावण शुक्ल १० |
| 23 श्रावण शुक्ल ११ | 24 श्रावण शुक्ल १२ | 25 श्रावण शुक्ल १२ | 26 श्रावण शुक्ल १३ | 27 श्रावण शुक्ल १४ | 28 श्रावण पूर्णिमा | 29 भाद्रपद कृष्ण १ |

### सितम्बर 2026
विक्रम संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण-आश्विन कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आश्विन कृष्ण द्वितीया राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन शुभारम्भ दिवस | | 1 भाद्रपद कृष्ण ४ | 2 भाद्रपद कृष्ण ५/६ | 3 भाद्रपद कृष्ण ७ | 4 भाद्रपद कृष्ण ८ | 5 भाद्रपद कृष्ण ९ |
| 6 भाद्रपद कृष्ण १० | 7 भाद्रपद कृष्ण ११ | 8 भाद्रपद कृष्ण १२ | 9 भाद्रपद कृष्ण १३ | 10 भाद्रपद कृष्ण १४ | 11 भाद्रपद अमावस्या | 12 भाद्रपद शुक्ल १ |
| 13 भाद्रपद शुक्ल २ | 14 भाद्रपद शुक्ल ३ | 15 भाद्रपद शुक्ल ४ | 16 भाद्रपद शुक्ल ५ | 17 भाद्रपद शुक्ल ६ | 18 भाद्रपद शुक्ल ७ | 19 भाद्रपद शुक्ल ८ |
| 20 भाद्रपद शुक्ल ९ | 21 भाद्रपद शुक्ल १० | 22 भाद्रपद शुक्ल ११ | 23 भाद्रपद शुक्ल १२ | 24 भाद्रपद शुक्ल १३ | 25 भाद्रपद शुक्ल १४ | 26 भाद्रपद पूर्णिमा |
| 27 आश्विन कृष्ण १ | 28 आश्विन कृष्ण २ | 29 आश्विन कृष्ण ३ | 30 आश्विन कृष्ण ४ | भाद्रपद कृष्ण षष्ठी राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका (गुजरात) शुभारम्भ दिवस | | भाद्रपद शुक्ल नवमी राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम) शुभारम्भ दिवस |

### अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 आश्विन कृष्ण-कार्तिक कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आश्विन शुक्ल पंचमी राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक शुभारम्भ दिवस | | आश्विन शुक्ल नवमी श्रीजगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी (ओडिशा) शुभारम्भ दिवस | | 1 आश्विन कृष्ण ५ | 2 आश्विन कृष्ण ६ | 3 आश्विन कृष्ण ७/८ |
| 4 आश्विन कृष्ण ९ | 5 आश्विन कृष्ण १० | 6 आश्विन कृष्ण ११ | 7 आश्विन कृष्ण १२ | 8 आश्विन कृष्ण १३ | 9 आश्विन कृष्ण १४ | 10 आश्विन अमावस्या |
| 11 आश्विन शुक्ल १ | 12 आश्विन शुक्ल २ | 13 आश्विन शुक्ल ३ | 14 आश्विन शुक्ल ४ | 15 आश्विन शुक्ल ५ | 16 आश्विन शुक्ल ६ | 17 आश्विन शुक्ल ७ |
| 18 आश्विन शुक्ल ७ | 19 आश्विन शुक्ल ८ | 20 आश्विन शुक्ल ९ | 21 आश्विन शुक्ल १० | 22 आश्विन शुक्ल ११ | 23 आश्विन शुक्ल १२ | 24 आश्विन शुक्ल १३ |
| 25 आश्विन शुक्ल १४ | 26 आश्विन पूर्णिमा | 27 कार्तिक कृष्ण १/२ | 28 कार्तिक कृष्ण ३ | 29 कार्तिक कृष्ण ४ | 30 कार्तिक कृष्ण ५ | 31 कार्तिक कृष्ण ६ |

### नवम्बर 2026
विक्रम संवत् 2083 कार्तिक कृष्ण-मार्गशीर्ष कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 कार्तिक कृष्ण ७ | 2 कार्तिक कृष्ण ८ | 3 कार्तिक कृष्ण ९ | 4 कार्तिक कृष्ण १० | 5 कार्तिक कृष्ण ११ | 6 कार्तिक कृष्ण १२ | 7 कार्तिक कृष्ण १३ |
| 8 कार्तिक कृष्ण १४ | 9 कार्तिक अमावस्या | 10 कार्तिक शुक्ल १ | 11 कार्तिक शुक्ल २ | 12 कार्तिक शुक्ल ३ | 13 कार्तिक शुक्ल ४ | 14 कार्तिक शुक्ल ५ |
| 15 कार्तिक शुक्ल ६ | 16 कार्तिक शुक्ल ७ | 17 कार्तिक शुक्ल ८ | 18 कार्तिक शुक्ल ९ | 19 कार्तिक शुक्ल ९ | 20 कार्तिक शुक्ल १०/११ | 21 कार्तिक शुक्ल १२ |
| 22 कार्तिक शुक्ल १३ | 23 कार्तिक शुक्ल १४ | 24 कार्तिक पूर्णिमा | 25 मार्गशीर्ष कृष्ण १ | 26 मार्गशीर्ष कृष्ण २ | 27 मार्गशीर्ष कृष्ण ३/४ | 28 मार्गशीर्ष कृष्ण ५ |
| 29 मार्गशीर्ष कृष्ण ६ | 30 मार्गशीर्ष कृष्ण ७ | | | | | |

### दिसम्बर 2026
विक्रम संवत् 2083 मार्गशीर्ष कृष्ण-पौष कृष्ण

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1 मार्गशीर्ष कृष्ण ८ | 2 मार्गशीर्ष कृष्ण ९ | 3 मार्गशीर्ष कृष्ण १० | 4 मार्गशीर्ष कृष्ण ११ | 5 मार्गशीर्ष कृष्ण १२ |
| 6 मार्गशीर्ष कृष्ण १३ | 7 मार्गशीर्ष कृष्ण १४ | 8 मार्गशीर्ष अमावस्या | 9 मार्गशीर्ष शुक्ल १ | 10 मार्गशीर्ष शुक्ल १ | 11 मार्गशीर्ष शुक्ल २ | 12 मार्गशीर्ष शुक्ल ३ |
| 13 मार्गशीर्ष शुक्ल ४ | 14 मार्गशीर्ष शुक्ल ५ | 15 मार्गशीर्ष शुक्ल ६ | 16 मार्गशीर्ष शुक्ल ७ | 17 मार्गशीर्ष शुक्ल ८ | 18 मार्गशीर्ष शुक्ल ९ | 19 मार्गशीर्ष शुक्ल १० |
| 20 मार्गशीर्ष शुक्ल ११ | 21 मार्गशीर्ष शुक्ल १२ | 22 मार्गशीर्ष शुक्ल १३ | 23 मार्गशीर्ष शुक्ल १४ मार्गशीर्ष पूर्णिमा | 24 पौष कृष्ण १ | 25 पौष कृष्ण २ | 26 पौष कृष्ण ३ |
| 27 पौष कृष्ण ४ | 28 पौष कृष्ण ५ | 29 पौष कृष्ण ६ | 30 पौष कृष्ण ७ | 31 पौष कृष्ण ८ | | |

## महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

## महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थापित तथा मानित एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त)

**MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN**
(An Autonomous Organisation of Ministry of Education, Govt. of India)

**MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA SANSKRIT SHIKSHA BOARD**
(Establisheb & Recognised by Ministry of Education, Govt. of India and Recognised by Association of Indian Universities, New Delhi)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन 456006 (म.प्र.)
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasia, Ujjian 456006 (M.P.)
दूरभाष /Phone : (0734) 2502255, 2502254, ई-मेल /E-mail : msrvvpujn.edu@gov.in ; msrvvpujn@gmail.com, वेबसाइट / Website : www.msrvvp.ac.in